मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

BSKE–142

बी. ए. (सामान्य) (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.ई.-142 : रंगमंच एवं नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 15 = 60$

1. अभिनय की दृष्टि से रंगमंच के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
2. चतुरस्र नाट्य गृह का विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. भरत सम्मत एवं अभिनवगुप्त सम्मत नाट्य मण्डप के भेदों का उल्लेख कीजिए।

4. पठित अंश के आधार पर नाट्यगृह निर्माण विधि को विस्तार से लिखिये।
5. नाटक में नायक तथा नायिका की भूमिका का वर्णन कीजिए।
6. आचार्य भरत के अनुसार रंगपीठ और रंगशीर्ष को अपने शब्दों में लिखिए।
7. कथावस्तु के भेदों को लक्षणोदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
8. नाटक की उत्पत्ति तथा विकास पर अपने विचारों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. विभिन्न आचार्यों के मतानुसार नाट्य की परिभाषा को स्पष्ट कीजिए।
2. नाटक के भेदों को समझाइये।
3. अभिनय तथा वस्तु के भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. रस किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
5. अर्थ-प्रकृतियों पर टिप्पणी लिखिए।
6. नाट्य संवादों के प्रकारों का स्पष्ट उल्लेख कीजिए।
7. रस तथा भाव का परिचय दीजिए।
8. आधुनिक संस्कृत रंगमंच का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

× × × × ×